राजस्थान सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय,झुंझुनू

————————

भामाशाहों व दानवीरों की वजह से झुंझुनू जिला शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी है – ओला

झुंझुनू, 14 फरवरीः आपदा एवं प्रबन्धन तथा सहकारिता राज्य मंत्री बृजेन्द्र सिंह ओला ने कहा है कि भामाशाहों एवं दानवीरों के शिक्षा के प्रति लगाव की वजह से ही झुंझुनू जिला शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि आज भी प्रवासी राजस्थानी अपनी जन्मभूमि को नहीं भूल पाये हैं और उसी की बदौलत आज से पचास साल पहले चन्द बच्चों से प्रारम्भ हुई शिक्षण संस्थाएॅ वटवृक्ष का रूप धारण कर चुकी हैं। वे रविवार को यहॉ आदर्श बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय के आदर्श स्वर्ण जयंती महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वे बच्चों को ऐसी तालीम दें कि वे आगे चलकर स्वतः ही अपने पैरों पर खड़े होकर अभिभावकों, जिले, देश व प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने निस्वार्थ भाव से शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग किया है उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। उन्होंने गुणवतावान शिक्षा की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए कहा कि संस्था की पहचान संस्था से निकलने वाले विद्यार्थियों के कहॉ तक पहुंचने पर निर्भर करती है। जो संस्थाएं शैक्षणिक दृष्टि से अपनी पहचान बनाये हुए है, उनमें विद्यार्थियों की कोई कमी नहीं रहती है। उन्होंने प्रतिस्पर्धा की दौड़ में आज की युवा पीढ़ी को कम्प्यूटर और तकनिकी शिक्षा ग्रहण करने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि अच्छी पढ़ाई और अच्छे वातावरण के लिए शैक्षणिक संस्थाओं में आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध होनी चाहिए।

सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि आज से पचास वर्ष पहले शहर के शिक्षा के प्रति जुड़ाव रखने वाले व्यक्तियों ने जिस पौधे को लगाया था वह आज अच्छी शिक्षा के रूप में पहचाना जा रहा है। यह यहॉ के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से आग्रह किया कि वे अपनी माटी को नहीं भूलें और कर्मस्थली के साथ–साथ जन्मस्थली को भी समय–समय पर सम्भालते रहें। उन्होंने भामाशाओं एवं दानवीरों से कहा कि अपनी गाढ़ी कमाई का कुछ हिस्सा सामाजिक और धार्मिक कार्यो में भी लगाया जाना चाहिए। शिक्षा में लगाया गया पैसा पुण्य की तरह माना जाता है।

पूर्व राज्यपाल एवं विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष नवरंगलाल टीबड़ेवाल ने कहा कि शिक्षा अन्धकार से रोशनी, अज्ञान से ज्ञान और बुराई से अच्छाई का आभास करवाती है और शिक्षा से ही व्यक्ति संस्कारवान बन पाता है। हमें शिक्षा की अलख निरन्तर जगाई रखनी होगी । शेखावाटी का झुंझुनू जिला शूरवीरों की धरती और उद्योगपतियों की जन्मस्थली के रूप में जाना–पहचाना जाता है, लेकिन भामाशाहों की वजह से आज बालिका शिक्षा में भी जिले ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

समारोह के मुख्य अतिथि एवं मुम्बई प्रवासी काशीनाथ गाडिया ने कहा कि मुझे मेरी जन्मस्थली से इतना लगाव है कि मैं वहां बैठा–बैठा भी झुंझुनू की शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति के बारे में सोचता रहता हॅू और जब भी मुझे सहयोग के लिए कहा जाता है यथायोग्य सहयोग समय–समय पर किया भी है। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इस संस्थान ने सदैव आगे बढ़ने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि दानवीरों को चाहिए कि वे सत्कार्यो में रूचि रखें ताकि उनके सहयोग से यह जिला शिक्षा के क्षेत्र में सिरमोर बन सके। उन्होंने प्रवासी बन्धुओं से माटी का ऋण अदा करने की बात भी कही। उन्होंने किताबी ज्ञान को ही पूर्ण नहीं बताया। व्यक्ति के जीवन में अनुशासन और मानव की सेवा भावना भी होनी चाहिए।

समारोह में संस्था सचिव परमेश्वर हलवाई ने सभी का स्वागत करते हुए संस्था का पचास वर्ष का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया, वहीं श्रवण केजड़ीवाल, गीलूराम मोदी, विनोद गाडिया, रमाकान्त टीबड़ेवाल, केदारनाथ राणासरिया, बसन्त मोरवाल आदि ने भी प्रवासी राजस्थानियों से आग्रह किया कि वे अपनी सोच में बदलाव लाकर अपनी जन्मस्थली के विकास के लिए कुछ करने की ललक रखते हुए सहयोग करते रहें ताकि यह जिला हर क्षेत्र में अपनी पहचान कायम कर सकें।

संस्था के तीनो संकाय के प्रधानाध्यापक सर्वश्री सुरेन्द्र शर्मा व पी.एल. मिश्रा तथा प्रधानाचार्या श्रीमती रंजना सोनी ने संस्था की शैक्षणिक गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान में इस विद्यालय में 725 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। समारोह की अध्यक्षता प्रमोद जालान ने की। कार्यक्रम का संचालन हरिश तुलस्यान ने किया जबकि प्रो. अतुल गर्ग ने अन्त में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पचास वर्षीय स्वर्णिम यात्रा की ''आदर्श'' स्मारिका का विमोचन भी किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी, उप जिला प्रमुख डॉ. राजबाला, डॉ. जे.सी. जैन, सेवानिवृत न्यायाधिपति सतीश चन्द्र मित्तल, उपभोक्ता मंच के सदस्य ओमप्रकाश बोहरा, पूर्व पाषर्द बसन्त लाल मोरवाल, वर्तमान पार्षद महेश जीनगर, दिलीप डिग्रवाल, परमेश्वर हलवाई, मनीष अग्रवाल, देवकीनन्दन तुलस्यान, श्रीमती यशोधरा, डॉ. गौड़ व शहर के गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी तथा शिक्षक आदि उपस्थित थे।

<u>दानदाताओं, सहयोगियों एवं मेधावी छात्र–छात्राओं का सम्मान</u> : स्वर्ण जयंती महोत्सव के अवसर पर संस्थान की ओर से गत पचास साल में इस संस्थान को सहयोग करने वाले एक सौ के करीब प्रवासी भामाशाहों, दानदाताओं, शिक्षकों, समाजसेवियों और स्कूल के मेधावी छात्र–छात्राओं तथा संस्था के शिक्षकों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। प्रारम्भ में संस्थान के प्रतिनिधियों ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर तथा शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया और अन्त में इन सभी को स्मृति चिन्ह भी प्रदान किये गये। प्रारम्भ में स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।

<u>जल मंदिर, बाल वाहिनी व फिजिक्स लैब तथा आदर्श स्टेज ब्लॉक का उद्घाटन</u> : रविवार को आयोजित आदर्श बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में अतिथियों द्वारा संस्थान परिसर में बनाये गये जल मंदिर, फिजिक्स लैब और आदर्श स्टेज ब्लॉक का उद्घाटन भी किया गया। दो मंजिले आदर्श स्टेज ब्लॉक का निर्माण साढ़े दस लाख रूपये की लागत से स्वर्गीय रिछपाल राय हलवाई व उनकी धर्मपत्नि स्वर्गीय धापा देवी की स्मृति में उनके सुपुत्र राजकुमार तुलस्यान ने करवाया है जबकि जल मंदिर का निमार्ण तीन लाख रूपये की लागत से स्वर्गीय धन्नुराम हलवाई की स्मृति में उनके परिजनों द्वारा करवाया गया है। तीन लाख रूपये की लागत से स्कूल के बच्चों के लिए बाल वाहिनी डूंगरमल पाटोदिया चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रदत्त की गई है।

————————